पंजीयन क्रं. 06/09/01/04737/04

विचार मासिक पत्रिका

कुल पृष्ठ 24, वर्ष 2, अंक 24 | माह - मार्च 2021, मूल्य - निःशुल्क

आपके विकास को समर्पित

॥विचार संस्था॥

(स्थापना वर्ष 2003)

विचार संस्था उपाध्यक्ष सौरभ रांधेलिया के माता-पिता की शादी की सालगिरह के अवसर पर संस्था सचिव आकांक्षा मलैया व सौरभ रांधेलिया ने घरोंदा आश्रम में दिव्यांगों को सेवाभाव से भोजन वितरित किया एवं स्वास्थ्य संबंधी हालचाल की जानकारी ली।

पदाधिकारी

कपिल मलैया
संस्थापक व अध्यक्ष, मो. 9009780020
FB : @KapilMalaiyaOriginal

सुनीता जैन
कार्यकारी अध्यक्ष
मो. 9893800638

आकांक्षा मलैया
सचिव, मो. 9165422888
FB : @AkankshaMalaiyaOriginal

विनय मलैया
कोषाध्यक्ष, मो. 9826023692

नितिन पटैरिया
मुख्य संगठक, मो. 9009780042

अखिलेश समैया
मीडिया प्रभारी, मो. 9302556222

हरगोविंद विश्व
मार्गदर्शक

राजेश सिंघई
मार्गदर्शक

श्रीयॉश जैन
मार्गदर्शक

पता - 258/1, मालगोदाम रोड, तिलकगंज वार्ड, आदिनाथ कार्स प्रा. लिमि. के पीछे, सागर (म.प्र.) - 470002, हेल्पलाइन नं. 9575737475, 07582-224488

विचार समिति का मासिक प्रकाशन

विचार मासिक पत्रिका

वर्ष - 2, अंक - 24, मार्च - 2021

संपादक

आकांक्षा मलैया

प्रबंधक व प्रकाशक

विचार समिति

स्वामित्व

विचार समिति

258/1, मालगोदाम रोड, तिलकगंज वार्ड,
आदिनाथ कार्स प्रा. लिमि.
के पीछे, सागर (म.प्र.)
पिन - 470002

Email: sanstha.vichar@gmail.com
Phone: 9575737475
07582-224488

मुद्रण

तरूण कुमार सिंघई, अरिहंत ऑफसेट
पारस कोल्ड स्टोरेज, बताशा गली,
रामपुरा वार्ड, सागर (म.प्र.)
पिन - 470002

अनुक्रमाणिका

टॉप स्टोरी :-

1. पराजय 4

2. बेटी बचाओ - बेटी पढ़ाओ 7

विचार संस्था की गतिविधियां :-

1. बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज में विचार हेल्प डेस्क का समापन हुआ 8

2. राष्ट्रीय अवार्ड से सम्मानित गांव के भ्रमण पर पहुंची विचार टीम 9

3. ग्राम बेरखेरी सुवंश में मोहल्ला विकास योजना के तहत महिलाओं को किया जागरूक 11

4. घरोंदा आश्रम में दिव्यांग बच्चों को भोजन वितरण कर मनाई माता-पिता की सालगिरह 12

5. अंत्योदय शिक्षा प्रेरक अभियान - दूसरा चरण 13

6. मलैया ट्रैक्टर्स परिवार शास्त्री वार्ड में घर-घर जाकर दे रहे लोगों को आदर्श मोहल्ला के प्रकल्पों की जानकारी 15

7. शासन की योजनाओं का लाभ व सभी का विकास सबके सहयोग से ही संभव : आकांक्षा मलैया 16

8. स्व सहायता समूह की सूची 18

9. विचार संस्था की नई वेबसाइट का शुभारंभ 19

मीडिया कवरेज 21

पराजय

जिला शिक्षा अधिकारी बनने के बाद जब ज्वाइन किया तो जानकारी हुई की ये जिला स्कूली शिक्षा के लिहाज से बहुत पिछड़ा हुआ हैं। वरिष्ठ अधिकारियों ने भी कहा आप ग्रामीण इलाकों पर विशेष ध्यान दें।

बस तय कर लिया, महीने में आठ दस दिन ग्रामीण स्कूलों को दूंगा।

शीघ्र ही ग्रामीण इलाकों में दौरों का सिलसिला चल निकला। पहाड़ी व जंगली इलाका भी था कुछ।

एक दिन मातहत कर्मचारियों से मालूम हुआ ..

'बड़ेरी' नामक गांव, जो एक पहाड़ी पर स्थित है। वहां के स्कूल में कोई शिक्षा अधिकारी नहीं जाता था क्योंकि वहां पहुंचने के लिए वाहन छोड़कर लगभग दो तीन किलोमीटर जंगली रास्ते से पैदल जाना होता था।

तय कर लिया अगले दिन वहां जाऊंगा।

वहां कोई मिस्टर पी. के. व्यास हेड मास्टर हैं, जो बरसों से पता नहीं क्यूं वहीं जमे हुए हैं ! मैंने निर्देश दिए उन्हें कोई अग्रिम सूचना न दी जाए। सरप्राइज विजिट होगी !

अगले दिन हम सुबह निकले, दोपहर बारह बजे ड्राइवर ने कहा - साहब यहां से आगे पहाड़ी पर पैदल ही जाना होगा दो तीन किलोमीटर।

मैं और दो अन्य कर्मचारी पैदल चल पड़े।

लगभग डेढ़ घंटे सकरे, पथरीले, जंगली रास्ते से होकर हम ऊपर गांव तक पहुंचे। सामने स्कूल का पक्का भवन था और लगभग दो सौ कच्चे पक्के मकान थे।

स्कूल साफ सुथरा और व्यवस्थित रंगा पुता हुआ तीन कमरे और बरामदा, चारों तरफ सुरम्य हरा भरा वन था।

अंदर क्लास रूम में पहुंचे तो तीन कक्षाओं में लगभग सवा सौ बच्चे तल्लीनता पूर्वक पढ़ रहे थे। शिक्षक कोई भी नहीं था। एक बुजुर्ग सज्जन बरामदे में थे जो वहां नियुक्त पियून थे, शायद।

उन्होंने बताया हेड मास्टर साहब आते ही होंगे।

हम बरामदे में बैठे थे तभी देखा एक चालीस बयालीस वर्ष के सज्जन अपने दोनों हाथों में पानी की बाल्टियां लिए ऊपर चले आ रहे थे। पायजामा घुटनों तक चढ़ाया हुआ था। खादी का कुर्ता पहने हुए थे !

उन्होंने आते ही परिचय दिया। मैं प्रशांत व्यास यहां का हेड मास्टर हूं। यहां इन दिनों बच्चों के लिए पानी थोड़ा नीचे जाकर कुएं से लाना होता है। हमारे चपरासी दादा बुजुर्ग हैं अब उनसे नहीं होता, इसलिए मैं ही ले आता हूं। वर्जिश भी हो जाती है, वे मुस्कुराकर बोले।

उनका नाम और चेहरा पहचाना सा लगा।

मैंने उनकी और देखकर पूछा तुम प्रशांत व्यास हो, इंदौर से.. गुजराती कॉलेज !

मैंने हेट उतार दिया, उसने पहचानते हुए, चहकते हुए कहा आप अभिनव हैं, अभिनव श्रीवास्तव ! मैंने कहा और नहीं तो क्या भाई !

लगभग बीस बाईस बरस पहले हम इंदौर में साथ ही पढ़े थे। बेहद होशियार और पढ़ाकू था वो। बहुत कोशिश करने के बावजूद शायद ही कभी मेरे उससे ज्यादा नंबर आए हों !

हमारे बीच एक प्रतिस्पर्धा रहती थी, जिसमें हमेशा वही जीता करता था।

आज वो हेड मास्टर था और मैं जिला शिक्षा अधिकारी। पहली बार उससे आगे निकलने, जीतने का भाव था और सच कहूं तो मन में खुशी थी।

मैंने सहज होते हुए पूछा, यहां कैसे पहुंचे भाई? और कौन कौन है घर पर?

उसने विस्तार से बताना शुरू किया।

एम. कॉम करते समय ही बाबूजी की मालवा मिल वाली नौकरी जाती रही। उन्हें दमे की बीमारी भी तो थी ही ! घर चलाना मुश्किल हो गया था। किसी तरह पढ़ाई पूरी की। नम्बर अच्छे थे, इसलिए संविदा शिक्षक की नियुक्ति मिल गई। आगे पढ़ने की न गुंजाइश थी न स्थितियां। इस गांव में पोस्टिंग मिल गई। मां बाबूजी को लेकर यहां चला आया, सोचा गांव में कम पैसों में गुजारा हो ही जायेगा।

फिर उसने हंसते हुए कहा इस दुर्गम गांव में पोस्टिंग और वृद्ध बीमार मां बाप को देख कोई लड़की वाले लड़की देने तैयार नहीं हुए, इसलिए विवाह नहीं हुआ और ठीक भी है कोई पढ़ी लिखी लड़की भला यहां क्या करती?

अपनी कोई पहुंच या पकड़ भी नहीं थी कि यहां से ट्रांसफर करा पाते तो बस यहीं जम गए, यहां आने के कुछ बरस बाद मां बाबूजी दोनों ही चल बसे। यथा संभव उनकी सेवा करने का प्रयास किया।

अब यहां बच्चों में, स्कूल में मन रम गया है। छुट्टी के दिन बच्चों को लेकर आस पास की पहाड़ियों पर वृक्षारोपण करने चला जाता हूं। रोज शाम को स्कूल के बरामदे में बुजुर्गों को पढ़ा देता हूं। अब

शायद इस गांव में कोई निरक्षर नहीं है। नशा मुक्ति का अभियान भी चला रखा है। अपने हाथों से खाना बना लेता हूं और किताबें पढ़ता रहता हूं। बच्चों को अच्छी बुनियादी शिक्षा, अच्छे संस्कार मिल जाएं, अनुशासन सीखें बस यही ध्येय है। मैं सीए नहीं कर सका पर मेरे दो विद्यार्थी सीए हैं और कुछ अच्छी नौकरी में भी हैं।

मेरा यहां कोई ज्यादा खर्च नहीं है। मेरी ज्यादातर तनख़ा इन बच्चों के खेल कूद और स्कूल पर खर्च हो जाती है। तुम तो जानते हो कॉलेज के जमाने से क्रिकेट खेलने का जुनून था, वो बच्चों के साथ खेल कर पूरा हो जाता है, बड़ा सुकून मिलता है।

मैंने टोकते हुए कहा, मां बाबूजी के बाद शादी का विचार नहीं आया?

उसने मुस्कुराते हुए कहा, दुनियां में सारी अच्छी चीजें मेरे लिये नहीं बनी हैं। इसलिए जो सामने है उसी को अच्छा करने या बनाने की कोशिश कर रहा हूं। फिर अपने परिचित दिलचस्प अंदाज़ में मुस्कुराते हुए बोला, अरे वो फ़ैज़ साहेब की एक नज़्म है न.. अपने बेख्वाब किवाड़ों को मुकम्मल कर लो, अब यहां कोई नहीं, कोई नहीं आएगा।

उसकी उस हंसी ने भीतर तक भिगो दिया था।

लौटते हुए मैंने उससे कहा, प्रशांत तुम जब चाहो तुम्हारा ट्रांसफर मुख्यालय या जहां तुम चाहो करा दूंगा।

उसने मुस्कुराते हुए कहां, अब बहुत देर हो चुकी है.जनाब। अब यहीं इन लोगों के बीच खुश हूं, कहकर उसने हाथ जोड़ लिए।

मेरी अपनी उपलब्धियों से उपजा दंभ, उससे आगे निकल जाने का अहसास, भ्रम चूर चूर हो गया था।

वो अपनी जिंदगी की तमाम कमियों, तकलीफों, असुविधाओं के बावजूद सहज था।

उसकी कर्तव्यनिष्ठा देखकर मै हतप्रभ था। जिंदगी से किसी शिकवे या शिकायत की कोई झलक उसके व्यवहार में नहीं थी।

सुखसुविधाओं, उपलब्धियों, ओहदों के आधार पर हम लोगों का मूल्यांकन करते हैं लेकिन वो इन सब के बिना मुझे फिर पराजित कर गया था!

लौटते समय उस कर्म ऋषि को हाथ जोड़कर भरे मन से इतना ही कह सका, तुम्हारे इस पुनीत कार्य में कभी मेरी जरूरत पड़े तो जरूर याद करना मित्र।

(मेरे मित्र द्वारा यह लेख भेजा गया, इसमें लेखक अंजान है)

बेटी बचाओ - बेटी पढ़ाओ

ऋषिका जैन

छात्रा- कक्षा 6वीं

पारस विद्या विहार

मैं बताना चाहती हूं कि पुरूष प्रधान समाज में सामाजिक विसंगतियों पर जागरूकता लाने एवं जागरूक होने की आवश्यकता है। इस सभ्य कहे जाने वाले पुरूष प्रधान समाज की विडंबना रही है कि सृष्टि के प्रारंभ से ही लड़कियों एवं महिलाओं के प्रति पुरूष द्वारा दोयम दर्जे का व्यवहार किया जाता रहा है। यह बाल विवाह, सती प्रथा एवं दहेज प्रथा के रूप में उभरी है।

आज का हमारा विषय है 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' इस पर मैं अपने विचार रखना चाहती हूं। सर्वप्रथम बेटियों को भी जन्म, परवरिश, शिक्षा, विवाह, कैरियर, कार्य, व्यवसाय, घरेलू कार्य, सामाजिक व्यवहार आदि में समुचित अवसर मिलना चाहिए। जहां ऐसे समान अवसर मिले हैं वहां बेटियों ने माता-पिता, घर-परिवार, समाज, देश सभी का मान बढ़ाया है, फिर चाहे वह क्षेत्र कोई भी हो। मैं ऐसे कुछ बेटियों एवं महिलाओं के नाम यहां बता रही हूं, जिन्होंने देश ही नहीं, वरन विश्वव्यापी पहचान एवं स्थान बनाया है। जैसे - महारानी लक्ष्मी बाई, सरोजिनी नायडू, लता मंगेशकर, पी.टी. ऊषा, कल्पना चावला, इंदिरा गांधी, प्रतिभा पाटिल, निर्मला सीतारमन, सुषमा स्वराज, सुमित्रा महाजन, उमा भारती जी आदि।

सभी बच्चों के प्रथम गुरू माता-पिता होते हैं। यदि प्रारंभ से ही बिना भेदभाव के लालन-पालन किया जावे, व्यवहारिक ज्ञान, लौकिक ज्ञान, राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक, पारिवारिक, शिक्षा एवं संस्कार प्रदान किए जायें, तब कोई कारण नहीं कि बेटियां पिछड़ी रह जायें। बेटियों के पिछड़ेपन का कारण बेटियां नहीं अपितु कुप्रथाएं, कुपरंपराएं हैं।

पुरूष प्रधान समाज तथा संकीर्ण विचार धारा वाले माता-पिता एवं परिवार हैं, जिन्होंने विचार पूर्वक संशोधन के साथ रीति रिवाज तथा परंपराओं को अपनाया एवं उसमें शिक्षा, विज्ञान, आधुनिकता को समाहित किया - तब बेटियां पढ़कर कार्य व्यवसाय के साथ-साथ घर गृहस्थी भी चला सकीं एवं आने वाली पीढ़ियों ने भी इन्हीं के पद चिन्हों पर चलते हुए साबित किया कि पुराने मिथक अनुचित हैं।

अतः आवश्यकता इस बात की है कि गर्भास्था की जांच न हो। बेटी या बेटे के जन्म पर बराबर खुशी प्राप्त हो। समाज में इस प्रकार का वातावरण निर्मित हो कि बेटियां भी निर्भीक रूप से आ-जा सकें, कार्य कर सकें एवं शिक्षा से लेकर कैरियर तक उत्साह से समाज निर्माण में अग्रणी कार्य कर सकें।

वास्तविकता यह है कि बेटियों एवं महिलाओं की स्थिति में सुधार यही बेटियां एवं महिलाएं ही ला सकती हैं। इसमें पुरूष वर्ग पूर्ण रूप से सहयोग करें।

आज मैं इस मंच से - सरकार, समस्त राजनैतिक पार्टियों, शासन-प्रशासन, धर्म गुरू, समाजसेवी संस्थाओं, समाजसेवकों, समाज, परिवारों एवं माता-पिता से वचन चाहती हूं कि आप सभी केवल एक प्रतिज्ञा करें कि बेटा-बेटी में कोई अंतर नहीं, वह तो गीली मिट्टी हैं, **जिस सांचे में ढालोगे, जैसा ढालोगे उस रूप में ही कृति तैयार होगी।**

बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज में विचार हेल्प डेस्क का समापन हुआ

बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों को हेल्प डेस्क का समापन पत्र देती हुई विचार टीम

सागर के बुंदेलखंड मेडिकल कालेज में कोरोना काल से चली आ रही विचार संस्था की हेल्प-डेस्क की सेवा समाप्त होने जा रही हैं। अब कोविड 19 मरीजों की संख्या कम हुई है, वैक्सीन आने के बाद इसमें राहत देखी जा रही है।

इन्ही सब बातों को ध्यान में रखकर बीएमसी के चेयरमैन, सागर कमिश्नर मुकेश शुक्ला के साथ हुई बैठक में इस सेवा को समाप्त करने का फैसला लिया गया है। ज्ञातव्य हो कि सागर कमिश्नर के मार्गदर्शन में सुबह 6 बजे से रात्रि 12 बजे तक सेवाएं देने वाली हेल्प-डेस्क ने 6 महीनों में 1500 से ज्यादा समस्याओं का निराकरण किया है। हेल्प-डेस्क के माध्यम से कोविड 19 मरीजों की सभी समस्याओं से बीएमसी प्रबंधन को अवगत कराकर उनका निराकरण करना रहा है। इसके साथ मरीजों को दी जाने वाली सुविधाओं की भी मॉनिटरिंग की जाती रही है। हेल्प-डेस्क कोविड 19 मरीजों, उनके परिजनों और डॉक्टरों के सही तालमेल बैठाने में भी कामयाब रही है। सागर कमिश्नर रहे जे. के. जैन ने विचार संस्था से यह सेवा शुरू करने का आग्रह किया था।

बीएमसी प्रबंधन के साथ मिलकर कुछ ही दिन में विचार हेल्प-डेस्क मरीजों की सबसे बड़ी सहायक बन गई। सभी विचार सहायकों का प्रबंधन से अच्छा तालमेल बना रहा, सागर कमिश्नर मुकेश शुक्ला, बीएमसी के डीन आरएस वर्मा, इसके सहायक डॉ. एसपी सिंह, डॉ. राजेश जैन, डॉ. सुमित रावत, डॉ. उमेश पांडे, डॉ. भूपेन्द्र सिंह, डॉ. अखिल जैन, डॉ. अभिषेक जैन सहित बीएमसी प्रबंधन ने विचार संस्था द्वारा चलाई गई हेल्प-डेस्क का आभार जताया है।

राष्ट्रीय अवार्ड से सम्मानित गांव के भ्रमण पर पहुंची विचार टीम

विचार संस्था विहार प्रोजेक्ट के तहत सुंदर गांव-समझदार गांव पर कार्य कर रही है

पिपरिया गोपाल पंचायत में स्थित तालाब का भ्रमण करते हुए संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया और विचार टीम।

सागर की रहली जनपद अंतर्गत पिपरिया गोपाल पंचायत की देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने तारीफ की है। 83 खेत तालाबों के चलते यह गांव सुर्खियों में आया है। जल शक्ति मंत्रालय ने इसे राष्ट्रीय अवार्ड से नवाजा है। विचार टीम इसी योजना को देखने के लिए पिपरिया गोपाल गांव पहुंची। विचार संस्था विहार प्रोजेक्ट के तहत सुंदर गांव-समझदार गांव पर कार्य कर रही है। यहां के प्रधान के परिवार के साथ प्रबुद्ध ग्रामीणजनों ने खेतों में बने तालाबों का भ्रमण कराते हुए बताया कि यहां की 1600 एकड़ से ज्यादा भूमि सिंचित हो गई है। पहले गांव के बड़े किसानों ने यहां खुद के खर्चे से तालाब बनवाये। इस गांव में बने कुओं और ट्यूबबेल से बमुश्किल एक पानी दे पाना कठिन रहता था वहीं निजी खर्च से बनाए तालाबों से उसी खेती में 2 से 3 पानी आसानी से दिए जाने लगे। यहां 83 खेत तालाबों में 72 वाटर सेट द्वारा जबकि 9 स्वयं या अन्य योजनाओं द्वारा बनवाए गए हैं। इन तालाबों से किसान रबी के सीजन में बोई जाने वाली फसलों में 3 से 4 पानी आसानी कर लेते हैं। विचार संस्था के संस्थापक, अध्यक्ष कपिल मलैया जी ने इस गांव में गौशाला बनाने का आग्रह किया है। विहार प्रोजेक्ट के प्रमुख एक्सीलेंस स्कूल के

पिपरिया गोपाल पंचायत में गांव वालों से चर्चा करते हुए विचार टीम के सदस्य

प्रधानाचार्य आर.के. वैध जी द्वारा गौशाला का महत्व बताया गया। इसके द्वारा गोबर खाद, गौमूत्र, जैविक खाद, एंजाइम से उन्नत खेती के विषयों पर चर्चा की गई। यहां गौशाला बनाने की योजना पर ग्रामीणों ने सहमति जताई है।

विचार इसी गांव को आधार बनाकर खेत तालाबों पर कार्य करने की योजना बना रही है। आगामी योजना को लेकर गांव के प्रबुद्धजनों ने सलाहकार के तौर पर हर संभव मदद का आश्वासन दिया है। गांव के भ्रमण के दौरान अध्यक्ष कपिल मलैया, प्रधानाचार्य आरके वैध, मीडिया प्रभारी अखिलेश समैया, मनोज राय, जगदीश कपस्या, बबलू कपस्या, रेवा कवस्या, विनोद विश्वकर्मा, रीतेश सोनी, संजय जैन, पुरषोत्तम पटैल, अशोक कपस्या, हितप्रकाश कपस्या, राजकिशोर कपस्या, माधव कुर्मी, राजेश कुर्मी, हल्ले बाई कुर्मी, सीताराम पटैल, प्रदीप कुर्मी, कपिल पटैल, भरत कुर्मी उपस्थित थे।

विचार संस्था के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने इस गांव में गौशाला बनाने का आग्रह किया है

ग्राम बेरखेरी सुवंश में मोहल्ला विकास योजना के तहत महिलाओं को किया जागरूक

विचार संस्था की सचिव आकांक्षा मलैया गांव की महिलाओं को मोहल्ला विकास योजना की जानकारी देते हुए

मोहल्ला विकास योजना का लक्ष्य बुंदेलखंड का सुनियोजित विकास है। इसी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए 25 फरवरी को ग्राम बेरखेरी सुवंश का दौरा किया गया। आवश्यक विषयों पर जागरूकता के साथ लोगों के जीवन स्तर पर सुधार लाना मुख्य बिंदु रहा। ग्रामीणों से चर्चा के दौरान स्वास्थ्य संबंधी, शिक्षा एवं ग्रामीणों को आ रही समस्याएं पेयजल, स्वच्छता आदि विषयों पर चर्चा की गई। विचार संस्था सचिव आकांक्षा मलैया ने आदर्श घर के बिंदुओं पर चर्चा करते हुए बताया घर की साफ-सफाई, दो डस्टविन, जैविक खाद बनाना एवं उसका उपयोग करना, एन्जाइम का महत्व बताते हुए कहा कि हम अनेक प्रकार की बीमारियों से बच सकते हैं। चर्चा के दौरान महिलाओं को माहवारी का महत्व बताते हुए जागरूक किया और सैनेटरी पैड का उपयोग से कई बीमारियों से बचा जा सकता है।

घरोंदा आश्रम में दिव्यांग बच्चों को भोजन वितरण कर मनाई माता-पिता की सालगिरह

घरोंदा आश्रम में दिव्यांगों बच्चों को भोजन परोसते हुए संस्था की सचिव आकांक्षा मलैया एवं उपाध्यक्ष सौरभ रांधेलिया

घरोंदा आश्रम में दिव्यांगों के लिए डोसा बनाते हुए सचिव आकांक्षा मलैया

विचार संस्था उपाध्यक्ष सौरभ रांधेलिया के माता-पिता की शादी की सालगिरह के अवसर पर विचार संस्था सचिव आकांक्षा मलैया ने घरोंदा आश्रम में विकलांग एवं अनाथों के बीच जाकर सेवाभाव से भोजन वितरण किया एवं स्वास्थ्य संबंधी हालचाल की जानकारी ली। इसी उपलक्ष्य में न्यूज 20 के रिपोर्टर आदित्य यादव द्वारा किए जा रहे कार्य की सराहना की गई। अपने चैनल न्यूज 20 में स्थान देते हुए आकांक्षा मलैया के बारे में समाज को संदेश दिया कि हमारे बीच ऐसी भी बेटियां हैं जिनके मन में अपार श्रद्धा, प्रेम व सेवाभाव है। ऐसी ही बेटियां समाज और राष्ट्र के विकास को नई दिशा की ओर ले जाती हैं। उपाध्यक्ष सौरभ रांधेलिया ने बताया कि सेवा भावना ही जीवन की सर्वोच्च उपलब्धि है।

अंत्योदय शिक्षा प्रेरक अभियान - दूसरा चरण

प्रेरक वैशाली सेन, मोहन नगर वार्ड, सागर

प्रेरक विक्रम घोषी, नई गल्ला मंडी, सागर

प्रेरक मीना पटैल, सेमराबाग, रजाखेड़ी

प्रेरक पूजा मिश्रा, गुरूगोविंद सिंह वार्ड

प्रेरक अंजली सोनी, संतरविदास वार्ड, सागर

प्रेरक राशि सेन, मोहन नगर वार्ड, सागर

विचार संस्था और ISRN द्वारा जो संकल्प लिया गया था जिसमें पहले चरण में 34 प्रेरक ने हिस्सा लिया। तीन माह का यह अभियान पूरा हुआ। अंत्योदय शिक्षा प्रेरक अभियान के दौरान 34 प्रेरक ने 30 अलग अलग स्थानों पर लगभग 410 बच्चों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान की। इसके दूसरे चरण में 20 प्रेरकों द्वारा 306 बच्चों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान की जा रही है। अभी तक 50 प्रेरकों द्वारा 716 बच्चों इस अभियान के द्वारा उनके मौलिक भौतिक ज्ञान को बढ़ाया। खेल-खेल में बच्चों को बहुत कुछ सिखाया जैसे प्राथमिक चिकित्सा, गुड टच-बैड टच, वृक्षारोपण, भारत को जानो जैसे विषयों पर ध्यान देते हुये गणित, अंग्रेजी और विज्ञान विषय को भी पढ़ाया। संस्था सभी बच्चों को प्रमाण पत्र देकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना करती है।

नन्हे हाथों की चित्रकला

प्रेरक प्रभा साहू, भगवानगंज वार्ड, सागर

प्रेरक सुनीता ठाकुर, भगवानगंज वार्ड, सागर

प्रेरक सुनीता ठाकुर, भगवानगंज वार्ड, सागर

प्रेरक प्रभा साहू, भगवानगंज वार्ड, सागर

प्रेरक राशि सेन, मोहन नगर वार्ड, सागर

प्रेरक निकिता पटैल, तिलकगंज वार्ड, सागर

मलैया ट्रैक्टर्स परिवार शास्त्री वार्ड में घर-घर जाकर दे रहे लोगों को आदर्श मोहल्ला के प्रकल्पों की जानकारी

आदर्श मोहल्ला प्रकल्पों की जानकारी हेतु मलैया ट्रैक्टर्स परिवार द्वारा जनसंपर्क।

विचार संस्था द्वारा आदर्श मोहल्ला योजना के अंतर्गत मलैया ट्रैक्टर्स परिवार द्वारा गोद लिए गए शास्त्री वार्ड में घर-घर जाकर लोगों को एंजाइम बनाने की विधि एवं उसका उपयोग, जैविक खाद बनाने की विधि एवं उसका उपयोग, घर में किचिन गार्डन, महिलाओं के लिए महिला सशक्तिकरण की जानकारी एवं रोजगार के विषयों पर जानकारी दी जा रही है। मलैया ट्रैक्टर्स परिवार द्वारा टीम बनाकर सप्ताह में दो बार इन विषयों पर लोगों को जानकारी दी जा रही है। इस पुनीत कार्य में विनोद विश्वकर्मा, सचिन जैन, मनोज श्रीवास्तव, विनोद रैकवार, प्रियांक जैन, साहब सिंह, सुनील जैन, राधे रैकवार, मनोज प्रजापति, अंशुल, अनिल, अर्पित आकाश, आशिक शामिल हैं।

शासन की योजनाओं का लाभ व सभी का विकास सबके सहयोग से ही संभव : आकांक्षा मलैया

विचार कार्यालय में स्व सहायता समूह की बैठक संपन्न

विचार कार्यालय में स्व सहायता समूह की बैठक हुई।

विचार संस्था की मोहल्ला विकास समिति के अंतर्गत दीनदयाल अंत्योदय योजना राष्ट्रीय शहरी अजीविका मिशन नगर निगम सागर के स्व सहायता समूह बनाए गए। इन्हीं स्व सहायता समूहों की प्रथम बैठक विचार कार्यालय में हुई। जिसके अंतर्गत एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत आदर्श मोहल्लों में से चिन्हित मोहल्लों में महिला सशक्तीकरण हेतु स्वरोजगार के दिशा निर्देश के महत्वपूर्ण तथ्यों पर चर्चा की गई।

बैठक में विचार संस्था की सचिव आकांक्षा मलैया ने बताया कि शासन की योजनाओं का लाभ तथा सभी का विकास सबके सहयोग से संभव है। विचार संस्था हर संभव विचार स्व सहायता समूहों की महिलाओं के साथ है।

एनआरएलएन विभाग नगर निगम की प्रभारी कल्पना श्रीवास्तव ने बताया कि स्व सहायता समूह मुख्य रूप से स्वयं का समूह है। जिसमें समूह की सभी महिलाएं एक दूसरे की आर्थिक रूप से मदद करती हैं। शासन की मदद से तथा अपनी बचत से जीवन स्तर में सुधार लाया जा सकता है।

आरआईटी विभाग के रूपेश खरे ने बताया कि विचार संस्था के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने संस्था के माध्यम से स्व सहायता समूह में महिलाओं को जोड़कर महिला सशक्तीकरण को बढ़वा दिया। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश शासन की सरकारी योजना जिसमें स्व सहायता समूह है जिसमें 12 महिलाओं का समूह बनाकर प्रशिक्षण देकर कार्य कुशल बनाया जाता है। समूह के माध्यम

स्व सहायता समूह की बैठक में सूचना के अधिकार पर जानकारी देते हुए रूपेश खरे आरओ।

से गरीब परिवारों का जीवन स्तर में सुधार लाना इस समूह का उद्देश्य है। मार्गदर्शक हरगोविंद विश्व ने कहा कि स्व सहायता समूह का उद्देश्य बहुत ही नेक है परंतु हमें परोपकार, लगन, नियमित उधार वापसी, साप्ताहिक बैठक, त्याग के द्वारा इन समूहों को सफल बनाया जा सकता है।

मुख्य संगठक नितिन पटैरिया ने सभी स्व सहायता समूहों का परिचय कराते हुए सामान्य दिशा निर्देश दिए तथा समस्त समूहों के लिए भावी प्रशिक्षण योजनाओं की जानकारी मुहैया कराई।

विचार संस्था के मुख्य सहायक अखिलेश समैया ने बताया कि महिलाओं द्वारा स्थापित किए जाने वाले लघु उद्यम उदाहरण स्वरूप चमड़े के पर्स, हैंड बैग, रैगजीन, फोम लैदर के सीड कवर, पापड़ निर्माण, अचार निर्माण, मसाला निर्माण, दुग्ध से बनाने वाले उत्पाद जैसे घी, दही, मनीर मठा, नमकीन बनाने की इकाई, रेवड़ी, चिरोंजी, गजक, अनाज पिसाई, आटा चक्की, नूडल्स बनाने की इकाई, बुटिक, अगरबत्ती निर्माण, चाक निर्माण, रबड़ बैंड, रेडिमेड गारमेंट, कागज के लिफाफे, गत्ते के डिब्बे, फोटोकापी की दुकान, मिनी ऑफसेट इकाई, परामर्श केंद्र, पेपर एवं कपड़ा बैग निर्माण इकाई, किराना दुकान, स्टेशनरी, कच्ची घानी तेल आदि सफल समूह के पंच सूत्र की जानकारी दी।

आरआईटी श्रीमति दुर्गा ने स्व सहायता समूह को आवश्यक निर्देश देते हुए जरूरी दस्तावेजों के साथ प्रशिक्षण दिया। बैठक में सभी स्व सहायता समूहों के अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष एवं कविता साहू, राहुल अहिरवार, पूजा लोधी, पूजा प्रजापति, अनुराग विश्वकर्मा, जवाहर दाऊ आदि विचार सेवक उपस्थित थे। बैठक का आभार मीडिया प्रभारी अखिलेश समैया ने माना।

विचार स्व–सहायता समूह–2021				
क्र.	समूह का नाम	अध्यक्ष	सचिव	कोषाध्यक्ष
1	सरस्वती विचार स्व–सहायता समूह	मीना पटैल जी	नेहा कुशवाहा जी	गीता बाई जी
2	तान्या विचार स्व–सहायता समूह	लक्ष्मी सोनी जी	रेखा लोधी जी	विमला तिवारी जी
3	कस्तूरी विचार स्व–सहायता समूह	कस्तूरी बाई विश्वकर्मा जी	पूर्णिमा विश्वकर्मा जी	दमयंती लोधी जी
4	शीतला विचार स्व–सहायता समूह	मंजू साहू जी	शीला साहू जी	हेमलता साहू जी
5	अम्बेडकर विचार स्व–सहायता समूह	कुवर बाई जाटव जी	वैजन्ती बाई जाटव जी	कमला जाटव जी
6	तुलसी विचार स्व–सहायता समूह	ममता अहिरवार जी	सकुन अहिरवार जी	विमला यादव जी
7	प्रेरणा विचार स्व–सहायता समूह	कविता साहू जी	ज्योति बाई पटैल जी	कामना दुबे जी
8	एकता विचार स्व–सहायता समूह	उर्मिला वर्मा जी	प्रेमबाई आदिवासी जी	ललिता अहिरवार जी
9	गंगा विचारस्व–सहायता समूह	ममता रैकवार जी	राजकुमारी रैकवार जी	रजनी रैकवार जी
10	विनायक विचार स्व–सहायता समूह	प्रभा साहू जी	अनीता चौधरी जी	सुनीता ठाकुर जी
11	विचार भूमि स्व–सहायता समूह	नीता पटैल जी	श्वेता पटैल जी	निकिता पटैल जी
12	विचार हर–हर महादेव स्व–सहायता समूह	विनीता जोशी जी	नीतू ठाकुर जी	गायत्री अहिरवार जी
13	आर्या विचार स्व–सहायता समूह	शशि रैकवार जी	प्रभा साहू जी	सुमतरानी यादव जी
14	माँ लक्ष्मी विचार स्व–सहायता समूह	आशा साहू जी	माया बाई सेन जी	उमा बाई सेन जी
15	रवि विचार स्व–सहायता समूह	मालती अहिरवार जी	सविता अहिरवार जी	विमला बाई अहिरवार जी
16	सपना विचार स्व–सहायता समूह	गायत्री बाई पटैल जी	तुलसी पटैल जी	वंदना नामदेव जी
17	शांति विचार स्व–सहायता समूह	रागनी रैकवार जी	रानी पटैल जी	नीलम पटैल जी
18	लक्ष्मीबाई विचार स्व–सहायता समूह	मीना अहिरवार जी	पुष्पा अहिरवार जी	विमला बाई अहिरवार जी

विचार संस्था की नई वेबसाइट का शुभारंभ

VICHARSANSTHA

Impact in 2020

Take a look at the impact we created in 2020

1,480 COVID patents assisted by Help Desk

8,000kg vegetables grown in 5000 kitchen gardens

11,000 liters of sanitizer distributed

31,000 citizens involved in cultural integration

22,000+ plants nurtured

50,000 Gobar diyas made and sold

710 children equipped with life skills

"My locality used to be very dirty and there used to be constant fights. Mohalla Vikas Yojana brought the people of my locality together. Now there is such cleanliness and harmony in my locality that it has been awarded the title of 'Adarsh Muhalla' by Vichar Sanstha"

- Mamta Ahirwar, Subhash Nagar Ward ★ ★ ★ ★ ★

"In my village, with motivation from Vichar Sanstha, all villagers have taken the pledge to not drink alcohol. With more than an year of no demand for alcohol, the local alcohol shop has now been shut down. "

-Ravindra Singh Thakur, Sarpanch, Sagoni Purena Village ★ ★ ★ ★ ★

"When I was COVID infected and was admitted at the district hospital, Vichar Sanstha's Help Desk took daily updates of my recovery, counselled me, facilitated video calls with my family and took care of even the smallest of things such as getting me bottled water and helping with my discharge process."

- Sunil Sagar, COVID patient ★ ★ ★ ★ ★

"A dyslexic child, who used to cry with her head down all throughout class, gained the confidence to stand in front of an audience and talk about what she has learnt. This was the magic of Antyodaya Siksha Prerak Campaign, where I had volunteered to teach underprivileged children for free during times of Covid crisis."

-Varsha Singh Rajpoot, Volunteer ★ ★ ★ ★ ★

Latest Updates

Reaching out to the last child with 'Antyoday Siksha Prerak Campaign'

February 25, 2021 /// No Comments

Reaching out to the last child with 'Antyoday Siksha Prerak Campaign' With the help of Indian Institute of Humanitarian Research, Vichar Sanstha facilitated 50 Antyoday

Read More »

Corona Warriors of Vichar Sanstha- The BMC Help Desk Team

February 25, 2021 /// No Comments

Corona Warriors of Vichar Sanstha- The BMC Help Desk Team When people were afraid to leave their houses, volunteers at the BMC Help Desk risked

Read More »

Donor of the Month- Surbhi Randhelia

February 18, 2021 /// No Comments

Vichar Sanstha thanks Surbhi Randhelia for spreading smiles across the faces of 410 underprivileged children!

Read More »

Facebook Post

Liked Send Message

Vichar Sanstha
on Wednesday

सागर
news20 network
हर खबर पर अपना ही नजरिया

समाज के उन बड़े तबकों के लिए आज यह नारी शक्ति में ताल है जिसने अपनी कम उम्र में वह कार्य करके दिखाया जिसके लिए ता जिंदगी व्यक्तियों की यह महिला पुरुष की उम्र गुजर जाती है जिसको लेकर आज सागर शहर की बिटिया ने वह बड़े प्रश्न चिन्ह को तोड़ते हुए... See More

Contact Us

Call us on
9575737475, 07582-224488

Email at
contact@vichar.com

Address
258/1, Station Road, Tilakganj, Near Adinath Cars Pvt. Ltd., Sagar- 470002

Useful Links

- HOME
- ABOUT US
- OUR WORKS
- MONTHLY NEWSLETTER
- NEWS
- DONATE NOW
- CONTACT US

Copyrights © 2021 All Rights Reserved.

मीडिया कवरेज

दैनिक भास्कर सागर 03-02-2021

बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज में विचार हेल्प-डेस्क का समापन

सागर | बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज में कोरोना काल से चली आ रही विचार संस्था की हेल्प-डेस्क की सेवा समाप्त होने जा रही है। अब कोविड-19 मरीजों की संख्या कम हुई है। वैक्सीन आने के बाद इसमें राहत देखी जा रही है। इन्ही सब बातों को ध्यान में रखकर बीएमसी के चेयरमैन कमिश्नर मुकेश शुक्ला के साथ हुई बैठक में इस सेवा को समाप्त करने का फैसला लिया गया। ज्ञातव्य हो कि सागर कमिश्नर के मार्गदर्शन में सुबह 6 बजे से रात्रि 12 बजे तक सेवाएं देने वाली हेल्प-डेस्क ने 6 महीनों में 1500 से ज्यादा समस्याओं का निराकरण किया है। हेल्प-डेस्क का उद्देश्य कोविड मरीजों की सभी समस्याओं से बीएमसी प्रबंधन को अवगत कराकर उनका निराकरण करना रहा है। इसके साथ मरीजों को दी जाने वाली सुविधाओं की भी मॉनिटरिंग की जाती रही है। हेल्प-डेस्क कोविड मरीजों, उनके परिजनों और डॉक्टरों के सही तालमेल बैठाने में भी कामयाब रही है।

नवदुनिया
भोपाल, बुधवार 03 फरवरी, 2021

जिले में मात्र दो संक्रमित मिले, विचार संस्था बंद करेगा हेल्प डेस्क

सागर(नवदुनिया प्रतिनिधि)। जिले में मंगलवार को दो नए कोरोना पॉजिटिव मरीज मिले हैं। इन्हें मिलाकर जिले में कुल मरीजों की संख्या 5302 पहुंच गई है। वही मरीजों की संख्या में लगातार गिरावट आने के बाद विचार संस्था द्वारा बीएमसी में चलाई जा रही हेल्प-डेस्क की सेवा को बंद करने का निर्णय भी लिया है।

बीएमसी से प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार को सनराइज रेसीडेंसी में 16 वर्षीय किशोर एवं श्रीराम कॉलोनी में 26 वर्षीय युवक की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। इन्हें प्राथमिक इलाज के बाद क्वारंटाइन किया गया है।

जिले में जनवरी माह से कोरोना मरीजों की संख्या में लगातार गिरावट आ रही है। पिछले 15 दिनों में अब लंबे समय बाद सिर्फ 2 ही मरीज सामने आए हैं।

मरीजों की संख्या में कमी होने से बाजार में भी अधिकांश लोग बिना मास्क के ही घूमते हुए दिखने लगे हैं।

शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. रामानुज गुप्ता ने वैक्सीन लगवाई। ● नवदुनिया

हेल्प डेस्क बंद करेगी विचार संस्था : बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज में पिछले कई महीनों से विचार संस्था द्वारा संचालित हेल्प-डेस्क की सेवा जल्द बंद हो सकती है। कोरोना मरीजों की संख्या कम हुई है और वैक्सीन आने के बाद इसमें राहत देखी जा रही है। इन्ही सब बातों को ध्यान में रखकर बीएमसी के चेयरमैन, सागर कमिश्नर मुकेश शुक्ला के साथ हुई बैठक में इस सेवा को समाप्त करने का फैसला लिया गया है। ज्ञातव्य हो कि सागर कमिश्नर के मार्गदर्शन में सुबह 6 बजे से रात्रि 12 बजे तक सेवाएं देने वाली हेल्प-डेस्क ने 6 महीनों में 1500 से ज्यादा समस्याओं का निराकरण किया है।

हेल्प-डेस्क के माध्यम से कोविड 19 मरीजों की सभी समस्याओं से बीएमसी प्रबंधन को अवगत कराकर उनका निराकरण करना रहा है।

डॉक्टर दंपती ने लगवाई वैक्सीन

कोरोना वैक्सीन लगाने के लिए बडी सख्या में स्वास्थ्य अधिकारियों, कर्मचारियो के अलावा निजी क्लीनिक के डॉक्टर भी वैक्सीन लगवाने पहुंच रहे है। मंगलवार को शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. रामानुज गुप्ता एवं डॉ. वंदना गुप्ता ने बीएमसी पहुचकर वैक्सीन लगवाई। उन्होंने कहा कि वैक्सीन पूरी तरह सफल है और यह लगवाने के बाद उन्हे कोई असर नजर नही आया। अगले माह हम दूसरा इजेक्शन भी लगाएंगे। उन्होंने सोशल मीडिया पर फोटो शेयर करते हुए दूसरे स्वास्थ्यकर्मियो से भी वैक्सीन लगवाने की अपील की। वहीं जिले के लोगो से अब भी कोरोना गाइडलाइन का पालन करने की अपील की है।

मीडिया कवरेज

बीएमसी में विचार हेल्प-डेस्क का समापन

अतुल्य भास्कर, सागर

सागर के बुंदेलखंड मेडिकल कालेज में कोरोना काल से चली आ रही विचार संस्था की हेल्प-डेस्क की सेवा समाप्त होने जा रही हैं। अब कोविड 19 मरीजों की संख्या कम हुई है, वैक्सीन आने के बाद इसमें राहत देखी जा रही है। इन्ही सब बातों को ध्यान में रखकर बीएमसी के चेयरमैन, सागर कमिश्नर मुकेश शुक्ला के साथ हुई बैठक में इस सेवा को समाप्त करने का फैसला लिया गया है। ज्ञातव्य हो कि सागर कमिश्नर के मार्गदर्शन में सुबह 6 बजे से रात्रि 12 बजे तक सेवाएं देने वाली हेल्प-डेस्क ने 6 महीनों में 1500 से ज्यादा समस्याओं का निराकरण किया है। हेल्प-डेस्क के माध्यम से कोविड 19 मरीजों की सभी समस्याओं से बीएमसी प्रबंधन को अवगत कराकर उनका निराकरण करना रहा है। इसके साथ मरीजों को दी जाने वाली सुविधाओं की भी मॉनिटरिंग की जाती रही है।

हेल्प-डेस्क कोविड 19 मरीजों, उनके परिजनों और डॉक्टरों के सही तालमेल बैठाने में भी कामयाब रही है। सागर कमिश्नर रहे जे. के. जैन ने विचार संस्था से यह सेवा शुरू करने का आग्रह किया था। बीएमसी प्रबंधन के साथ मिलकर कुछ ही दिन में विचार हेल्प-डेस्क मरीजों की सबसे बड़ी सहायक बन गई। सभी विचार सहायकों का प्रबंधन से अच्छा तालमेल बना रहा, सागर कमिश्नर मुकेश शुक्ला, बीएमसी के डीन आरएस वर्मा, इसके सहायक डॉ. एसपी सिंह, डॉ. राजेश जैन, डॉ. सुमित रावत, डॉ. उमेश पांडे, डॉ. भूपेन्द्र सिंह, डॉ. अखिल जैन, डॉ. अभिषेक जैन सहित बीएमसी प्रबंधन ने विचार संस्था द्वारा चलाई गई हेल्प-डेस्क का आभार जताया है।

बीएमसी में विचार हेल्प-डेस्क का समापन

सागर, आचरण संवाददाता।

सागर के बुंदेलखंड मेडिकल कालेज में कोरोना काल से चली आ रही विचार संस्था की हेल्प-डेस्क की सेवा समाप्त होने जा रही हैं। अब कोविड 19 मरीजों की संख्या कम हुई है, वैक्सीन आने के बाद इसमें राहत देखी जा रही है। इन्ही सब बातों को ध्यान में रखकर बीएमसी के चेयरमैन, सागर कमिश्नर मुकेश शुक्ला के साथ हुई बैठक में इस सेवा को समाप्त करने का फैसला लिया गया है।

ज्ञातव्य हो कि सागर कमिश्नर के मार्गदर्शन में सुबह 6 बजे से रात्रि 12 बजे तक सेवाएं देने वाली हेल्प-डेस्क ने 6 महीनों में 1500 से ज्यादा समस्याओं का निराकरण किया है। हेल्प-डेस्क के माध्यम से कोविड 19 मरीजों की सभी समस्याओं से बीएमसी प्रबंधन को अवगत कराकर उनका निराकरण करना रहा है। इसके साथ मरीजों को दी जाने वाली सुविधाओं की भी मॉनिटरिंग की जाती रही है। हेल्प-डेस्क कोविड 19 मरीजों, उनके परिजनों और डॉक्टरों के सही तालमेल बैठाने में भी कामयाब रही है। सागर कमिश्नर रहे जे. के. जैन ने विचार संस्था से यह सेवा शुरू करने का आग्रह किया था।

बीएमसी प्रबंधन के साथ मिलकर कुछ ही दिन में विचार हेल्प-डेस्क मरीजों की सबसे बड़ी सहायक बन गई। सभी विचार सहायकों का प्रबंधन से अच्छा तालमेल बना रहा, सागर कमिश्नर मुकेश शुक्ला, बीएमसी के डीन आरएस वर्मा, इसके सहायक डॉ. एसपी सिंह, डॉ. राजेश जैन, डॉ. सुमित रावत, डॉ. उमेश पांडे, डॉ. भूपेन्द्र सिंह, डॉ. अखिल जैन, डॉ. अभिषेक जैन सहित बीएमसी प्रबंधन ने विचार संस्था द्वारा चलाई गई हेल्प-डेस्क का आभार जताया है।

दैनिक भास्कर सागर 28-02-2021

बचत से जीवन स्तर में सुधार ला सकते हैं : श्रीवास्तव

भास्कर संवाददाता | सागर

विचार संस्था की मोहल्ला विकास समिति के अंतर्गत दीनदयाल अंत्योदय योजना, राष्ट्रीय शहरी अजीविका मिशन, नगर निगम सागर के स्व सहायता समूह बनाए गए। इन्हीं स्व सहायता समूहों की बैठक विचार कार्यालय में हुई। जिसके अंतर्गत एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत महिला सशक्तीकरण व स्वरोजगार के दिशा निर्देश के महत्वपूर्ण तथ्यों पर चर्चा की गई।

संस्था की सचिव आकांक्षा मलैया ने बताया कि शासन की योजनाओं का लाभ तथा सभी का विकास सबके सहयोग से संभव है। विचार संस्था स्वसहायता समूहों की महिलाओं के साथ है। नगर निगम की कल्पना श्रीवास्तव ने बताया कि स्व सहायता समूह मुख्य रूप से स्वयं का समूह है। जिसमें समूह की सभी महिलाएं एक दूसरे की आर्थिक रूप से मदद करती हैं। शासन की मदद से तथा अपनी बचत से जीवन स्तर में सुधार लाया जा सकता है।

रूपेश खरे ने बताया कि संस्था के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने संस्था के माध्यम से स्व सहायता समूह में महिलाओं को जोड़कर महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा दिया।

मीडिया कवरेज

दैनिक भास्कर सागर 17-02-2021

राष्ट्रीय अवार्ड से सम्मानित गांव के भ्रमण पर पहुंची विचार टीम

सागर| राष्ट्रीय अवार्ड से सम्मानित रहली जनपद के पिपरिया गोपाल पंचायत का विचार संस्था की टीम ने दौरा किया। संस्था बिहार प्रोजेक्ट के तहत सुंदर गांव-समझदार गांव पर कार्य कर रही है। संस्था के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने गांव में गौशाला बनाने का आग्रह किया है। बिहार प्रोजेक्ट के प्रमुख एक्सीलेंस स्कूल के प्रधानाचार्य आरके वैद्य ने गौशाला का महत्व बताया। इसके द्वारा गोबर खाद, गौमूत्र, जैविक खाद, एंजाइम से उन्नत खेती के विषयों पर चर्चा की। यहां गौशाला बनाने की योजना पर ग्रामीणों ने सहमति जताई।

सागर दिनकर

बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज में विचार हेल्प-डेस्क का समापन हुआ

सागर। सागर के बुंदेलखंड मेडिकल कालेज में कोरोना काल से चली आ रही विचार संस्था की हेल्प-डेस्क की सेवा समाप्त होने जा रही हैं। अब कोविड 19 मरीजों की संख्या कम हुई है। वैक्सीन आने के बाद इसमें राहत देखी जा रही है। इन्ही सब बातों को ध्यान में रखकर बीएमसी के चेयरमैन, सागर कमिश्नर मुकेश शुक्ला के साथ हुई बैठक में इस सेवा को समाप्त करने का फैसला लिया गया है। ज्ञातव्य हो कि सागर कमिश्नर के मार्गदर्शन में सुबह 6 बजे से रात्रि 12 बजे तक सेवाएं देने वाली हेल्प-डेस्क ने 6 महीनों में 1500 से ज्यादा समस्याओं का निराकरण किया है।

‖विचार संस्था‖
(स्थापना वर्ष 2003)

निवेदन

आपसे निवेदन है कि अधिक से अधिक मात्रा में दान देकर इस मुहिम को आगे बढ़ाने में सहयोग करें।

दान राशि बैंक खाते में डालने हेतु जानकारी इस प्रकार है।

Bank a/c name- VicharSamiti

Bank- State Bank of India

Account No.- 37941791894

IFSC code- SBIN0000475

Paytm/ Phonepe/ Googlepay/ upi

आदि दान करने के लिए नीचे दिए गए

QR कोड को स्कैन करें.

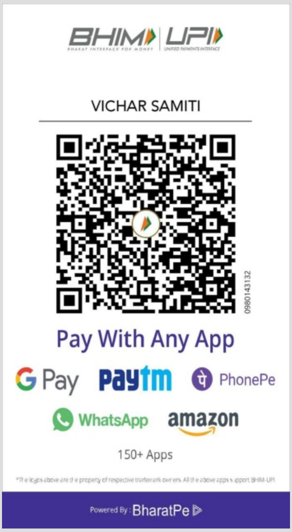

- संपर्क -

Website : vicharsanstha.com

Facebook : Vichar Sanstha

Youtube : Vichar Samachar

Ph. No. : 9575737475, 9009780042, 07582-224488

Address : 258/1, Malgodam Road, Tilakganj Ward, Behind Adinath Cars Pvt. Ltd, Sagar (M.P.) 470002